
Shri Arya Ashtakam

श्री आर्याष्टकम्

Document Information

Text title : Shri Arya Ashtakam 08 04

File name : AryAShTakam.itx

Category : devii, devI, aShTaka

Location : doc_devii

Proofread by : Rajesh Thyagarajan

Description/comments : From stotrArNavaH 08-04

Latest update : August 15, 2021

Send corrections to : sanskrit@cheerful.com

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

Please help to maintain respect for volunteer spirit.

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

June 28, 2023

sanskritdocuments.org

Shri Arya Ashtakam

श्री आर्याष्टकम्



कस्थकदलीयूतपनसेष्टकमोदकम् ।
बालसूर्यप्रतीकाशं वन्दे बालगणपतिम् ॥ १ ॥

आर्यां कात्यायनीं देवीमभीष्टकृत्वदायिनीम् ।
देहि विधां मडादेवि नमामि त्वां मलेश्वरीम् ॥ २ ॥

मडादेवप्रियां कालीं मडायोगेश्वरेश्वरीम् ।
मडालक्ष्मीं शिवां गौरीं देहि विधां मलेश्वरि ॥ ३ ॥

उमां उमवतीं शुभां कोमलाङ्गी शुभप्रियाम् ।
नमामि शुभवक्त्रां त्वां देहि विधां शिवप्रिये ॥ ४ ॥

पद्मवस्त्रां सलस्राक्षीं सलस्रानललोचनाम् ।
नौमि दुर्गां भगवतीं देहि विधां सुरेश्वरि ॥ ५ ॥

पद्ममन्दिरमध्यस्थां योगिवृन्दैर्निषेविताम् ।
नौमि विश्वमयीं वाणीं देहि विधां सुलोचने ॥ ६ ॥

लक्ष्मीं क्षमां शिवां धात्रीं कल्याणगुणवर्धनीम् ।
वन्दे त्वां प्रणतार्तिङ्गीं देहि विधां सुरेश्वरि ॥ ७ ॥

विधिरुपां उंसवाडां ब्रह्मध्यानपरायणाम् ।
वरदाभयकरां विधां देहि (त्वं) परमेश्वरि ॥ ८ ॥

यारुप्रसन्नमदनां चन्द्रशेखरवल्लभाम् ।
विधां देहि मडामाये वन्दे त्वां वृषवाहिनीम् ॥ ९ ॥

आर्याष्टकमिदं पुण्यं यः पठेत् सततं नरः ।
मडादेवीप्रसादेन षणमासात् स कविर्भवेत् ॥ १० ॥

इति श्री आर्याष्टकं सम्पूर्णम् ।

Proofread by Rajesh Thyagarajan

Shri Arya Ashtakam

pdf was typeset on June 28, 2023

Please send corrections to sanskrit@cheerful.com

